



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 46] नई दिल्ली, बुधवार, फरवरी 20, 1991/फाल्गुन 1, 1912  
No. 46] NEW DELHI, WEDNESDAY, FEBRUARY 20, 1991/PHALGUNA 1, 1912

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

## कल्याण मंत्रालय

(आयात व्यापार नियंत्रण)

सार्वजनिक सूचना सं. 131 आई टी सी (पी एन) 90-93

नई दिल्ली, 20 फरवरी, 1991

विषय :— 1990-91 के लिए छः सौ मिलियन येन (600,000,000 येन) की जापानी अनुदान सहायता के अन्तर्गत जापान से भारतीय पत्तनों पर उर्वरक, कृषि मशीनरी तथा उपस्कर के परिवहन के लिए आवश्यक उर्वरक (डी ए पी) और सेवाओं के आयात हेतु लाइसेंसिंग शर्तें।

फाइल सं. आई पी सी/23 (70)/90-93.—1990-91 के लिए छः सौ मिलियन येन (600,000,000 येन) की जापानी अनुदान सहायता के अन्तर्गत जापान के भारतीय पत्तनों पर उर्वरक, कृषि मशीनरी और उपस्कर के परिवहन के लिए आवश्यक उर्वरक (डी ए पी) और सेवाओं के आयात हेतु लाइसेंसिंग शर्तों को शासित करने वाली शर्तें इस सार्वजनिक सूचना के परिशिष्ट में दी गई हैं और सूचना के लिए अधिसूचित की जाती हैं।

डी.आर. मेहता, मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

बाणिज्य मंत्रालय की सार्वजनिक सूचना सं. 131 आई टी सी (पी एन) 90-93 दिनांक 20 फरवरी, 1991 का परिशिष्ट

वर्ष 1990-91 के लिए छः सौ मिलियन येन (600,000,000 येन) की जापानी अनुदान सहायता के अन्तर्गत जापान से भारतीय पत्तनों पर उर्वरक कृषि मशीनरी तथा उपस्कर के परिवहन के लिए आवश्यक उर्वरक (डी ए पी), और सेवाओं के आयात हेतु लाइसेंसिंग शर्तें।

खण्ड-1 सामान्य शर्तें :

1(1) वर्ष 1990-91 के लिए 600 मिलियन येन की जापानी अनुदान सहायता का निम्नलिखित प्रयोजन हेतु इस्तेमाल किया जाएगा :—

(1) 555,376,000 जापानी येन उर्वरक (डी ए पी) के आयात के लिए है।

(2) 44,624,000 येन अतिरिक्त पुर्जों सहित 20 अग्रगण्यता के टैकडों के आयात के लिए है।

1(2) आयातक के नाम में आयात लाइसेंस कुल मिलाकर 660 मिलियन येन (नागन बीमा भाड़ा) मूल्य से अधिक के लिए जारी नहीं

किए जाने चाहिए और उन पर एक शीर्ष "1990-91 के लिए 600 मिलियन येन की जापानी अनुदान सहायता" होना चाहिए। प्रथम और द्वितीय प्रत्येक के लिए लाइसेंस कोड "एम/जे एन" होगा। परन्तु सामान्य खुले लाइसेंस के अन्तर्गत आने वाली भर्तों के लिए कोई आयात लाइसेंस अपेक्षित नहीं है।

1(4) विदेशी मुद्रा के किराे भाे परेषण का अनुमति आदान आदान के प्रति नहीं दी जाएगी लेकिन बैंक ऑफ इंडिया, टोकियो के बैंक प्रसार सामान्य बैंकिंग सूचों के माध्यम से भेजे जा सकते हैं। भारतीय अधिकारों के कर्षण के प्रति कोई भी भुगतान भारतीय अधिकारों को भारतीय रुपये में किया जाता चाहिए। लेकिन ऐसे भुगतान लाइसेंस मूल्य के दो भाग होते और इसलिए लाइसेंस पर ही प्रसारित किए जाएंगे।

1(4) उर्वरक और कृषि मशीनरी तथा उपकरण की प्राप्ति उम अनुदान सहायता के अन्तर्गत जापान से ही की जाए।

1(5) आयात लाइसेंस लागत योग्य आधार पर जारी किया जाएगा जोकि 31-3-1991 तक वैध रहेगा।

1(6) संविदा में तबद आधार पर अर्थात् बैंक ऑफ इंडिया, टोकियो को जापानी संभरकों द्वारा पोतलदान दस्तावेजों को प्रस्तुत करने पर भुगतान की व्यवस्था होनी चाहिए। उसमें सुपुर्दगी की अवधि के लिए भी इस प्रकार व्यवस्था होनी चाहिए :—

"सुपुर्दगी 15-3-1991 तक पूर्ण की जानी है।"

1(7) संविदा का मूल्य (लागत और भाड़ा या जहाज पर्यन्त निःशुल्क मूल्य आधार पर) येन में दर्शाया जाना चाहिए (येन की भिन्न को हटाया जाना चाहिए) और भारतीय अधिकारों का कमीशन यदि कोई हो तो शामिल नहीं किया जाना चाहिए। अन्य किसी मुद्रा में ठेके का मूल्य किसी भी परिस्थिति में अभिव्यक्त नहीं होना चाहिए। जहाज पर्यन्त निःशुल्क लागत और भाड़ा धनराशि समग्र प्रशिक्षण की जानी चाहिए, परन्तु ठेके में यह बात स्पष्ट कर देनी चाहिए कि भाड़े का खर्च वास्तविक आधार पर देय होगा या उसमें निश्चित किए गए भाड़े का खर्च वास्तविक खर्चों के अनुरिक्त देय धनराशि होगी।

1(8) क्रय संविदा केवल जापानी राष्ट्रिकों या जापानी राष्ट्रिकों द्वारा नियंत्रित जापानी बैंक व्यक्तियों के साथ की जानी चाहिए। एक प्रमाण पत्र (दो प्रतियों में) जिसमें संभरक की पावता दर्शाई गई हो प्रत्येक संविदा के साथ जोड़ी जानी चाहिए।

खण्ड-2—संभरण ठेकों में निम्नलिखित शर्तें विशेष रूप से समाविष्ट होनी चाहिए।

2(1) 1990-91 के लिए 600 मिलियन येन की अनुदान सहायता से संबद्ध इस संविदा की व्यवस्था 4 अक्टूबर, 1990 को भारत और जापान की सरकारों के बीच हुए समझौते के अनुभाग की गई है और यह दोनों सरकारों के अनुमोदन के अधीन होगी।

2(2) संभरकों को भुगतान उस (भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र) (ए/पी) के माध्यम से किया जाएगा जो 1990-91 के लिए जापानी अनुदान सहायता के अधीन बैंक ऑफ इंडिया, टोकियो के नाम में सहायता लेखा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक, वित्त मंत्रालय आर्थिक कार्य विभाग, जनपथ भवन, 5वां तल (बी. विंग) जनपथ, नई दिल्ली-110001 द्वारा जारी किया जाएगा।

2(3) जापानी संभरक ऐसी सूचना और दस्तावेजों को प्रस्तुत करने के लिए सहमत हैं जो एक और भारत सरकार द्वारा और दूसरी और जापान सरकार द्वारा अपेक्षित हों।

2(4) जापानी संभरक भारतीय दूतावास, टोकियो के साथ विचार विमर्श करके पोतलदान की व्यवस्था करने के लिए सहमत हो गया हो और उस उद्देश्य से वह शामिल मात्र की शिलीषरी के कार्यक्रम के बारे

में भारतीय दूतावास, टोकियो को सूचित करना रहेगा और कम से कम छह हफ्ते पहले अपेक्षित पोतलदान की अधिसूचना भारतीय दूतावास को देगा ताकि समुचित व्यवस्था की जा सके। अपवादस्वरूप, अगर आयातकर्ता चाहे तो नोटिस की इस अवधि को कम किया जा सकता है। जापानी संभरक को प्रत्येक पोतलदान के बाद आयातकर्ता को केवल दोन आतपवक थोरे की सूचना देने के लिए भी सहमत होना चाहिए तथा उसकी एक प्रति भारतीय दूतावास, टोकियो को भेजी जाएगी।

खण्ड-3—भारत सरकार और जापान द्वारा ठेके का अनुमोदन।

3(1) जैसे ही अधिष्ठों को अंतिम रूप दे दिए जाने हैं, आयातक को दोनों पार्टियों द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित ठेके की पांच प्रतियां या जापानी संभरक को भारतीय आयातक द्वारा दिए गए क्रय आदेश के साथ जापानी संभरक द्वारा विधिवत रूप से पुष्टिकरण आदेश सहित भेजी प्रकार से पूर्ण फोटो प्रतियों के साथ अनुबन्ध-1 के प्रपत्र में "ए/पी जारी करने के अधिष्ठ" की दो प्रतियां सहित अवसर निवेद (जापान) आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय, नर्थ ब्लाक, नई दिल्ली को भेजनी चाहिए। उपयुक्त प्रक्रिया संविदा की विषय वस्तु या उसकी कीमत में आवश्यक आशोधनों से उत्पन्न सभी संशोधनों के लिए भी लागू होगी।

3(2) वित्त मंत्रालय (डी ई ए) जापान अनुभाग 1990-91 के लिए 600 मिलियन येन की जापानी अनुदान सहायता के अधीन वित्तदान देने के लिए संविदा की दो प्रतियां जापान सरकार को अनुमोदन के लिए भेजेगा और इसी के साथ-साथ उपर्युक्त (1) में उल्लिखित दस्तावेजों का एक-एक सेट लेखा व लेखा परीक्षा नियंत्रक और भारत के दूतावास, टोकियो को भी भेजा जाएगा।

3(3) जापान सरकार से ठेका अनुमोदन प्राप्त करने के बाद वित्त मंत्रालय आर्थिक कार्य विभाग, नर्थ ब्लाक का जापान अनुभाग उसकी सूचना सहायता लेखा व लेखा परीक्षा नियंत्रक, आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय जनपथ भवन, 5वां तल, बी. विंग, जनपथ, नई दिल्ली-110001 को देगा जोकि जापानी संभरक को भुगतान करने के लिए बैंक ऑफ इंडिया, टोकियो को अनुबन्ध-2 पर दिए गए प्रपत्र में "भुगतान प्राधिकार पत्र" (ए/पी) जारी करेगा। प्राधिकार पत्र (ए/पी) की प्रतियां भारतीय दूतावास टोकियो, आयातक, भारत में आयातक के बैंक और वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग के जापान अनुभाग को भेजी जाएगी।

3(4) भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र (ए/पी) की प्राप्ति के बाद बैंक ऑफ इंडिया, टोकियो जापान सरकार, भारत का राजदूतावास, टोकियो भारत में आयातक के बैंक और सहायता लेखा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक को सूचना देने हुए इस प्राप्ति की सूचना से जापानी संभरक को अवगत करायेंगे।

3(5) पोतलदान करने के बाद जापानी संभरक अपने बैंकों के माध्यम से ए/पी से उल्लिखित दस्तावेज बैंक ऑफ इंडिया, टोकियो को प्रस्तुत करेगा। यदि दस्तावेज सही पाए गए तो बैंक ऑफ इंडिया, टोकियो दस्तावेजों में उल्लिखित धनराशि जापानी संभरक को अपने बैंकों के माध्यम से रिलीज करेगा।

3(6) जापानी संभरक को भुगतान करने की व्यवस्था करने के लिए बैंक ऑफ इंडिया, टोकियो को देय बैंकिंग प्रभागों का भुगतान भारत में आयातकर्ता के संबंधित बैंक द्वारा भारत सरकार के लेखों को प्रभावित किए बिना सामान्य बैंक सूचों के माध्यम से बैंक ऑफ इंडिया टोकियो को धन-परिवहन द्वारा भेज दिया जाएगा।

खण्ड-4—एगदा निशेष करने के लिए उत्तरदायित्व :

4(1) मल पराक्रम्य पोत परिवहन दस्तावेज बैंक ऑफ इंडिया, टोकियो द्वारा भारत में आयातक के संबंधित बैंक को निरपवाद रूप से भेजे जाएंगे जोकि भारतीय स्टेट बैंक या अनुबन्ध-1 में (ग) पर उल्लिखित किसी राष्ट्रीय बैंक की एक शाखा होगी जो संबंधित

आयातक को पराक्राम्य जहाजरानी दस्तावेज रिहा करने से पूर्व इस बात को सुनिश्चित करेगा कि जापानी संभरक को चुकाई गई येन भुगतान की समतुल्य रुपये की धनराशि के बराबर रुपया व्याज के प्रभारों सहित मुख्य अदायगी की राशि सहित संभरक को भुगतान कर दिया है और उस धनराशि पर जापानी संभरक को बैंक आफ इंडिया, टोकियो द्वारा भुगतान की तिथि से वास्तविक रुपये जमा करने की तिथि तक की अवधि पर पहले 30 दिनों के लिए 12 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से और शेष अवधि के लिए 18 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से हिसाब लगाकर व्याज सार्वजनिक सूचना सं. 31-आई टी सी (पी एन)/83, दिनांक 20-8-83 और 35-आई टी सी (पी एन)/83, दिनांक 26-8-83 शर्तों के अनुसार सरकारी लेखों में जमा कर दिया गया है। व्याज दोनों दिनों अर्थात् जिस दिन जापानी संभरक को भुगतान किया जाता है और जिस दिन सरकारी लेखों में रुपया जमा किया जाता है, देय है, देखिए सार्वजनिक सूचना सं. 103-आई टी सी (पी एन)/76, दिनांक 12-10-76 द्वारा संशोधित सार्वजनिक सूचना सं. 74-आई टी सी (पी एन)/74, दिनांक 31-5-74 सार्वजनिक सूचना सं. 230-आई टी सी (पी एन)/85-88, दिनांक 20-7-87 की शर्तों के अनुसार आयातक द्वारा किए जाने वाले रुपये निक्षेपों को निकटतम रुपये में गिना जाएगा। जापानी संभरक को किए गए येन भुगतान के समतुल्य रुपये की गणना करने के लिए अपनायी जाने वाली विनिमय की दर भुगतान की तारीख को लागू विनिमय की वह मिश्रित दर होगी जो सार्वजनिक सूचना सं. 113-आई टी सी (पी एन)/88-91, दिनांक 6-4-89 में निर्धारित तरीके के अनुसार निश्चित की गई हो जो मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात की सार्वजनिक सूचनाओं के माध्यम से या भारतीय रिजर्व बैंक के द्वारा विनिमय नियंत्रण परिपत्रों के माध्यम से सरकार द्वारा समय-समय पर घोषित की गई हो। इस संबंध में और व्याज की दर के संबंध में भी जब भी कोई परिवर्तन आवश्यक होगा अधिसूचित कर दिया जाएगा। यह सुनिश्चित करने के लिए भारतीय बैंक की जिम्मेदारी होगी कि देय धनराशि आयातकों को आयात दस्तावेज सौंपने से पहले सरकारी खाते में ठीक प्रकार से जमा कर दी गई है। आयातक को भी यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि देय धनराशि अपने ऋणदाताओं से दस्तावेजों की सुपुर्दगी लेने से पहले सरकारी खाते में ठीक प्रकार से जमा कर दी गई है। यह सुनिश्चित करने के लिए आयातक की जिम्मेदारी होगी कि देय धनराशि सरकारी खाते में ठीक प्रकार से तुरन्त जमा कर दी है भले ही अब वे विशेष परिस्थितियों के अन्तर्गत सीमाशुल्क प्राधिकारियों से माल की सुपुर्दगी प्राप्त करते हैं। यदि आयातक सरकार को देय धनराशि को माल की सुपुर्दगी लेने से पहले जमा नहीं कर पाता तो आगे के लिए उसे प्राधिकार पत्र देना बन्द कर दिया जाए। जिस लेखा शीर्ष में उपर्युक्त रुपया निक्षेप किया जाएगा वह "के डिपॉजिट्स एण्ड एडवांस्ज-8443 सिविल डिपॉजिट्स—डिपॉजिट्स फार परचेजिज अरटस्ट्रा एब्राड अण्डर ग्रांट फ्रॉम दि गवर्नमेंट आफ जापान फार 1990-91 ग्रांट फार दि परचेज आफ फर्टिलाइजर एग्रीकल्चर मशीनरी सर्विसिज बाई दि एम एम टी सी एण्ड डिपार्टमेंट आफ एग्रीकल्चर।

4(2) ऊपर उल्लिखित धनराशि या तो भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली में या स्टेट बैंक आफ इंडिया, तीस हजारी, दिल्ली में चालान के ऊपर दाहिनी ओर कोने में कोड सं. 5130000009 का संकेत देते हुए या ऐसा संभव न हो तो पैसा भारतीय स्टेट बैंक या उसकी किसी अनुषंगी शाखा या किसी राष्ट्रीयकृत बैंक (झायर) से डिमाण्ड ड्रॉफ्ट लेकर उसे भारतीय स्टेट बैंक, तीस हजारी, दिल्ली-6 (झायी एण्ड पेयी) को अदा किया जाए लिखकर सरकार की साख में सार्वजनिक सूचना सं. 103-आई टी सी (पी एन)/76, दिनांक 12-10-76 में यथा-निर्धारित रूप में जमा होना चाहिए।

4(3) सरकार द्वारा ऐसी मांग किये जाने के बाद सात दिनों के भीतर भारत में सम्बद्ध बैंक भी ऊपर निर्धारित तरीके से यह अतिरिक्त धनराशि सेवा खर्चों के निमित्त भेजेगा जो भारत सरकार द्वारा मांगी जाए। चालान के विभिन्न कालों को भरते समय आयातकों/उनके बैंकों

को इस बात को सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि सार्वजनिक सूचना सं. 103-आई टी सी (पी एन)/76, दिनांक 12-10-1976 में निर्धारित सूचना चालान के कालम "धन परेषण और प्राधिकारी (यदि कोई हो) के पूर्ण ब्यौरे" में निरपवाद रूप से निर्दिष्ट हो। ट्रेजरी चालानों में निम्नलिखित ब्यौरे निरपवाद रूप से प्रस्तुत किये जाने चाहिए :—

- (क) वित्त मंत्रालय के प्राधिकार पत्र की संख्या और दिनांक
- (ख) येन मुद्रा की वह धनराशि जिसके संबंध में अपनाई गई परिवर्तन की दर के साथ निक्षेप किए जाने हैं।
- (ग) जापानी संभरक को भुगतान करने की तिथि।
- (घ) अदा किए गए व्याज की राशि और अवधि जिसके लिए गिना गया है।
- (ङ) कुल जमा राशि।

(व्याज की गणना जापानी संभरक को अदायगी की तारीख से और उस तारीख तक जिस तारीख को समकक्ष रुपया सरकारी खाते में जमा कराया है, की जाएगी)।

उसके पश्चात् सी.ए.ए. एण्ड ए. द्वारा जारी किए गए भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र का सन्दर्भ देते हुए और/बीजक तथा पोत परिवहन दस्तावेजों को संलग्न करते हुए खजाना चालान जिसमें रुपया जमा करने का साक्ष्य दिया हो पंजीकृत डाक द्वारा सी.ए.ए.एण्ड ए. को भेजा जाना चाहिए।

टिप्पणी :—भारत में आयातक के बैंक को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि रुपये का निक्षेप भारतीय बैंक टोकियो को अदायगी की सूचना और अपरिवर्तनीय पोतलदान दस्तावेज की प्राप्ति के 10 दिनों के भीतर निरपवाद रूप से किया जाना चाहिए और यह कि उसके तत्काल बाद सी.ए.ए. एण्ड ए. वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) नई दिल्ली को सूचित कर दिया जाएगा।

4(4) भारत में संबद्ध भारतीय बैंक को लाइसेंस को मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति पर रुपया निक्षेपों की धनराशियों का पृष्ठांकन करना चाहिए और अपेक्षित "एस" प्रपत्र भारतीय रिजर्व बैंक, बम्बई को भेजना चाहिए।

खण्ड-5 विविध व्यवस्थाएं:

5(1) अनुदान सहायता के उपयोग करने की रिपोर्ट-संभरक करे की जाने वाली अदायगियों की राशि और तारीख का सुनिश्चित करने के लिए आयातक को अलग से व्यवस्था करना चाहिए। आयातक के बैंक द्वारा दर या विलम्ब से प्राप्त पोत परिवहन प्रलेखों आदि की प्राप्ति के रुपया निक्षेप राशि पर देय व्याज राशि को आशिक या पूर्ण रूप में माफ करने करने का कारण नहीं माना जाएगा।

आयातक को पोतलदान और उसके अधीन किए गए भुगतान और शेष धनराशि के बारे में भुगतान प्राधिकार पत्र जारी हो जाने के बाद एक मासिक रिपोर्ट सहायता लेखा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय, जनपथ भवन, 5 वां तलब (विंग), जनपथ, नई दिल्ली-110001 को भेजनी चाहिए।

5(2) आयातक को उन बिलों विशेष उपबन्धों से संभरक को अवगत करा देना चाहिए जो इस अनुदान सहायता के अन्तर्गत माल के लाने में संभरक पर प्रभाव डालते हैं।

5(3) विवाद—यह समझ लेना चाहिए कि आयातक और संभरकों के बीच यदि कोई विवाद उठता है तो उसके लिए भारत सरकार कोई उत्तरदायित्व नहीं लेगी। बैंक आफ इंडिया टोकियो द्वारा किए गए भुगतान

से पहले आय तक को संभरक द्वारा पूरी की जाने वाली शर्तें अनुबन्ध-1 में भुगतान की शर्तों के अन्तर्गत अच्छी तरह से स्पष्ट कर लेनी चाहिए। संविदा की शर्तों में विवाद के निपटान से संबद्ध व्यवस्थाएँ शामिल होनी चाहिए।

5(4) भावी अनुदेशः—जापान से 1990 के लिए अनुदान सहायता के अन्तर्गत आयातों से संबंधित किसी भी मामले या सभी मामलों और सभी आयातों को पूर्ण करने के संबंध में भारत सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए निदेशों, अनुदेशों या आदेशों का आयातकर्ता को तुरन्त पालन करना होगा।

5(5) अतिक्रमण या उल्लंघनः—उपर्युक्त खण्डों में निर्धारित की गई शर्तों के अतिक्रमण या उल्लंघन करने पर आयात-निर्वात (नियंत्रण) अधिनियम के अधीन उचित कार्यवाही की जाएगी।

5(6) अनुबन्धों की सूचीः—अनुबन्ध 1—प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए अनुरोध।

अनुबन्ध-2—प्राधिकार पत्र का प्रपत्र

अनुबन्ध-1

भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए प्राथम्यता-पत्र

संख्या

सेवा में,

सहायक लेखा तथा परीक्षा नियंत्रक,  
वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग,  
'बी' विंग 5वां टल, जनपथ भवन,  
जनपथ, नई दिल्ली।

विषयः—1990-91 के लिए 600 मिलियन येन की जापानी अनुदान सहायता के अन्तर्गत जापान से भारतीय पत्तनों पर उर्वरक, मशीनरी के परिवहन के लिए अपेक्षित उर्वरक, कृषि मशीनरी तथा सेवाओं का आयात

महोदय,

ऊपर उल्लिखित अनुदान सहायता के अधीन जापान से उर्वरक परिवहन के लिए आवश्यक उर्वरक, कृषि मशीनरी एवं सेवाओं के आयातक के संबंध में हम संबंध जापानी संभरक के पत्र में बैंक आफ इंडिया, टोकियो को भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र भेज रहे हैंः—

(क) भारतीय आयातक का नाम और पता।

(ख) आयातक लाइसेंस की संख्या, दिनांक और मूल्य और जब तक यह बंध है।

(ग) अधिप्राप्ति के तरीके क्या यह प्रत्यक्ष खरीद कर आधारित हैं या सीमित खुली निविदा पर आधारित है। इस मामले में कारणों यदि कोई हों, सहित यह निर्दिष्ट करना है कि क्या संविदा का निर्णय उपयुक्त तकनीकी प्रस्ताव के आधार पर किया गया है।

(घ) माल का संक्षिप्त विवरण।

(ङ) माल का उद्योग देश।

(च) संविदा का कुल लाभ और भाड़ा मूल्य (येन में)

(छ) यदि कोई हो तो तो भारतीय रुपये में देय भारतीय एजेंट कमीशन की घनराशि (येन में)

(ज) वह कुल लाभ तथा भाड़ा मूल्य (येन में) जिसके लिए भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र की आवश्यकता है।

(झ) जापानी संभरकों के साथ की गई संविदा को संख्या और दिनांक

(ञ) जापानी संभरक का नाम और पता।

(ट) वे भुगतान की शर्त और संभावित तिथि जिन पर संविदा के अंतर्गत भुगतान देय होंगे।

(ठ) माल की सुपुर्दगी पूर्ण करने की प्रत्याशित तिथियाँ।

(ड) बैंक आफ इंडिया, टोकियो को भुगतान करते समय प्रस्तुत किए जाने वाले दस्तावेज (प्रत्येक सेट की संख्या और उनका निपटान दर्शाते हुए)।

(व) पोपलदान अनुदेशों (अनुमेय या गैर अनुमेय वाहनान्तरण/आंशिक पोपलदान निर्दिष्ट कीजिए।

(ण) भारत में आयातक के बैंक का नाम और पता

(त) बैंक आफ इंडिया, टोकियो के बैंकिंग प्रभार कौन वहन करेगा-आयातक या संभरक कृपया निर्दिष्ट करें।

(थ) आयातक द्वारा वचनबद्धताः—हम एतद् द्वारा वचन देते हैं कि कि हम विदेशी संभरक को देय घनराशि के समतुल्य रुपये आदि की पूर्ण घनराशि को सरकार द्वारा निर्धारित क्रियाविधि से और प्रचलित दर पर सही रूप से जमा करवा देंगे। माल (आयातित सामग्री) के प्रत्येक परीक्षण की सुपुर्दगी प्राप्त करने से पहले राशि गोद ही जमा करवा दी जाएगी विदेशी विदेशी राष्ट्रियों की सेवाओं के लिए भुगतान के मामले में, जैसे ही हमारे द्वारा विदेशी संभरक के संगत बीजक अनुमोदित किए जाते हैं और संभरक को-भुगतान किया जाता है वैसे ही राशि जमा करवा दी जाएगी।

भवदीय

अनुबन्ध-2

भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र सं.

संख्या एफ

भारत सरकार

वित्त मंत्रालय

आर्थिक कार्य विभाग

नई दिल्ली,

दिनांक

सेवा में,

बैंक आफ इंडिया,  
टोकियो शाखा,  
टोकियो (जापान)

विषयः— वर्ष 1990-91 के लिए 600 मिलियन येन की जापानी अनुदान सहायता के अन्तर्गत जापान से भारतीय पत्तनों पर उर्वरक, कृषि मशीनरी के परिवहन के लिए आवश्यक उर्वरक, कृषि मशीनरी तथा सेवाओं का आयात प्राधिकार जारी करना

प्रिय महोदय,

आपके बैंक के साथ 4-10-1990 को किए गए समझौते की शर्तों के अनुसार आपको एतद् द्वारा परिशिष्ट में दिए गए व्योरा के अनुसार सर्व श्री ..... को ..... अधिगत येन घनराशि के भुगतान के लिए प्राधिकृत किया जाता है।

2. कृपया भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र (ए/पी) की पावती के बारे में संभरकों को सूचना दे और इस सूचना पत्र की एक प्रति जापान सरकार, आयातक बैंक, भारत के राजदूतवास, टोकियो और इस मंत्रालय को पृष्ठांकित की जाएगी।

3. प्राधिकार पत्र की शर्तों के अनुसार संभरकों को भुगतान परिशिष्ट में यथा सांकेतिक लघान दस्तावेजों के आधार पर किया जाएगा।

4. विदेशी संभरकों को भुगतान करने समय (आयातक के बैंक का नाम और पता) मूल पोत परिवहन दस्तावेज जिसके साथ परामर्श और अनिवार्य दस्तावेजों का पूरा सेट और संभरकों को प्रदायकों के लिए नाम बौजक की प्रति जिसमें शराशरी, यदि कोई हो, भेजी जानी चाहिए।

5. आयातक द्वारा अपनी देश विदेशी संभरकों पर बंदोबस्त, यदि कोई हो, के प्रभाव और दस्तावेज के रख-रखाव पर आने वाले प्रभावों सहित बैंकिंग प्रभावों का निर्धारण संघी आयातक के बैंक द्वारा किया जाएगा।

6. जैसे ही जापानी संभरक द्वारा प्रस्तुत किए गए लघान दस्तावेजों के आधार पर आपके द्वारा कोई भी भुगतान किया जाता है तो इसकी सूचना निर्धारित प्रपत्र में इस मंत्रालय और आयातक के बैंक को भेजी जानी चाहिए।

7. इस मंत्रालय के विशेष प्राधिकार के बिना इस भुगतान प्राधिकार पत्र में कोई भी संशोधन नहीं किया जा सकता है।

8. यह भुगतान प्राधिकार पत्र ..... तक वैध रहेगा।

9. कृपया संविदा से संबंधित सभी पत्राचारों तथा भुगतान की सूचनाओं में भी इस भुगतान प्राधिकार पत्र के शीर्ष पर दी गई सूचना का उल्लेख करें।

भावदीय,

(लेखा अधिकारी)

प्रति निम्नलिखित की प्रेषित :—

1. आयातक ..... को उसके पत्र म. .... दिनांक ..... के ..... के संदर्भ में।

उत्तम अनुरोध है कि वे बैंकों से परामर्श दस्तावेजों की डिलीवरी लेने से पूर्व निर्धारित दर पर और तरीके से अपने बैंकों के माध्यम से रुपया निक्षेप आदि जमा कराने का प्रबंध करें। यदि विशेष परिस्थितियों के कारण माल की डिलीवरी सीधे ही सीमाशुल्क और पतन प्राधिकारियों से मूल पोतलघान दस्तावेज भेजे बिना ही प्राप्त कर ली गई हो तो डिलीवरी लेने से पूर्व ही निक्षेप किए जाने चाहिए। विदेशी राष्ट्रों द्वारा दी गई सेवाओं के लिए भुगतान के मामले में जैसे ही सम्बन्ध बौजक भुगतान के लिए अनुमोदित हो जाए निक्षेप कर दिए जाएं। निक्षेप जल्दी ही और ठीक से न करने पर लाइसेंस की शर्तों में यथा उल्लिखित आवश्यक कार्यवाही की जा सकती है।

2. आयातक के बैंक ..... 1(1) यह भुगतान प्राधिकार पत्र येन अनुदान के अंतर्गत आपातों की शामिल करने वाली संबंधित लाइसेंस शर्तों के तहत जारी किया गया है। लाइसेंस शर्तों और संबंधित सार्वजनिक सूचनाओं/आदेश आदि को देखें और आयात/विदेशी भुगतान करने समय उचित कार्यवाई करें।

(2) उनसे निवेदन किया जाता है कि बैंक आफ इंडिया टोकियो शाखा के दस्तावेज प्राप्त करने पर जापानी संभरकों को येन भुगतान के बराबर रुपये जमा करने की व्यवस्था करें। संभरकों को कुछाई गई

धनराशि के बराबर रुपये की गणना सार्वजनिक सूचना सं. 113-आई टी सी (पी एन)/88-89, दिनांक 0-4-89 या अन्य ऐसी ही सार्वजनिक सूचना जो समय-समय पर जारी की जाए के अनुसार जापानी संभरकों को भुगतान करने की तिथि को यथा प्रचलित परिवर्तन की निश्चित दर पर की जाएगी। प्रथम 30 दिनों के लिए 12 प्रतिशत वार्षिक दर से और इसके अधिक अवधि के लिए 18 प्रतिशत वार्षिक दर से होगा जोकि संभरकों को भुगतान की सारीख और जिन सारीख को समतुल्य रखा भारत सरकार के लेखों में जमा किया जाए, उस दो अवधियों के बीच की अवधि के लिए समणित करके उसे भी सार्वजनिक सूचना सं. 31-आई. टी. सी. (पी.एन.)/83, दिनांक 10-4-83 और सार्वजनिक सूचना सं. 35-आई टी सी (पी. एन.)/83 दिनांक 26-8-83 के अनुसार भारत सरकार के लेखों में जमा करना है। ब्याज दोनों दिनों के लिए देय है अर्थात् वह सारीख दिन जिसकी जापानी संभरक को भुगतान किया जाता है और और वह भी जिसको भारत सरकार के लेखों में रखा जमा कराया जाता है। (जब भी इस दर में परिवर्तन किया जाए उसे सूचित कर दिया जाएगा)। 20-7-87 की सार्वजनिक सूचना सं. 230-आई. टी. सी (पी.एन)/85-88 की अनुसार आयातकों द्वारा निक्षेप किए जाने वाले रुपये की गणना निकटतम रुपये के गुणक में की जानी चाहिए। यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि आयातक को सीमाशुल्क निकासी के लिए आयात प्रदायक दस्तावेजों का मूल मूल दिए जाने से पूर्व यह धनराशि जमा की जानी है।

(3) वे धनराशियां या तो भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली या भारतीय स्टेट बैंक, तीस हजारों में चालान के बाहरी और कोड सं. 5130000009 दर्शाते हुए जमा करना चाहिए या स्टेट बैंक आफ इंडिया तीस हजारों दिल्ली-6 (आई एण्ड पेय) को देय और स्टेट बैंक आफ इंडिया की किसी शाखा या उसके सहयोगी या किसी राष्ट्रीयकृत बैंक (ब्रायर) के पक्ष में प्राप्त डिमाण्ड ड्राफ्ट के माध्यम से भेजी जानी चाहिए। इस संबंध में उनका ध्यान सार्वजनिक सूचना सं. 103-आई. टी. सी. (पी एन)/76, दिनांक 12-10-1976 में दिए गए प्रावधानों की ओर भी दिलाया जाता है। वह लेखा शीर्ष जिसमें रुपया जमा करना है। "के डिपो-जिस्ट्स एण्ड एडवांसिज-8443 सिविल डिपॉजिट्स, डिपॉजिटर्स नोट वेयरिंग इस्टेब्लिशमेंट्स फार परवेंजिज एटमेट्रा प्रवेंजिज पर वेंजिज एण्डर ग्रांट एड फ्राम दि गवर्नमेन्ट आफ जापान फार 1990-91 एण्डर डिटेल्ड हेड" (1) येन 600 नियमन ग्रांट एड फार परवेंजिज आफ फटिलाइजर, एग्रीकल्चरल मशीनरी/मॉबिलिटी बाई दि एमएम टी सी।"

(4) जिन मामलों में मुख्य रुपया रिजर्व बैंक आफ इंडिया, नई दिल्ली, या स्टेट बैंक आफ इंडिया, तीस हजारों दिल्ली में सार्वजनिक सूचना 132 आई टी. सी. (पी एन)-71 दिनांक 5-10-1971 के अनुसार नकद जमा किया जाए, उन मामलों में ध्यात की मूल रूप में एक प्रतिनिधि उन के द्वारा निम्नलिखित पत्र पर भेजनी चाहिए जिसके साथ बैंक आफ इंडिया टोकियो शाखा से प्राप्त सूचना टिप्पणियों का पूर्ण विवरण देने हुए एक अवरोध पत्र होना चाहिए:—

सहायक लेखा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक,

वित्त मंत्रालय, (आर्थिक कार्य विभाग),

जनपथ भवन, 5 वां तल (बी विंग) जनपथ,

नई दिल्ली- 110001

(5) जिन मामलों में मुख्य रुपया ऊपर संकेतिक सार्वजनिक सूचना दिनांक 24-10-68 में यथा उल्लिखित दर्शनी दुपदी द्वारा प्रेषित किया है उसकी सूचनाएं उपयुक्त पत्र पर भेजी जानी चाहिए सभी मामलों में जमा किए गए गुप्त रुपए कुकामे गए व्यय की

राशि और वह धर्मादि जिसके लिए व्याज गिना गया है, का पूरा धरा इस विभाग को भेजनी चाहिए।

(6) बैंक आफ इंडिया, टोकियो ब्रांच के बैंक प्रभार और विदेशी संभरकों के बैंकों के प्रभार, यदि कोई हो, सहित भारतीय बैंक आफ इंडिया टोकियो के बीच सीधे तय किए जाने चाहिए।

(7) विदेशी मुद्रा के प्राधिकृत डीलर के रूप में बैंक के कर्तव्य एवं जिम्मेदारियों को भारतीय रिजर्व बैंक के विभिन्न परिपत्रों में विनिष्ट किया गया है। इस संबंध में 18-6-1977 के ए.डी. परिपत्र सं. 22 की ओर विशेष ध्यान आकषित किया जाता है।

### 3 भारतीय दूतावास, टोकियो।

1. अवर सचिव (जापान अनुभाग), विजय संज्ञावय, प्राथमिक कार्य विभाग, नई दिल्ली को आई. डी. सं. 131-JTC(PN)/90-93 दिनांक 20-2-91 के संदर्भ में।

कृपया अधिकांश

## MINISTRY OF COMMERCE

(Import Trade Control)

PUBLIC NOTICE NO. 131-JTC(PN)/90-93

New Delhi, the 20th February, 1991

Subject.—Licensing Conditions for Import of Fertilizer (DAP), and services necessary for the transportation of the Fertilizer, agricultural machinery and equipment to ports in India from Japan under Japanese Grant Aid for 1990-91 of Yen six hundred million (Yen 600,000,000).

File No. IPC.23(70)/90-93.—The terms and conditions governing the licensing conditions for import of Fertilizer (DAP) and services necessary for the transportation of the Fertilizer, agricultural machinery and equipment at ports in India from Japan under Japanese Grant Aid for 1990-91 of Yen six hundred millions (Yen 600,000,000) are contained in the Appendix to this Public Notice and are notified for information.

D. R. MEHRA, Chief Controller of Imports and Exports

## APPENDIX TO THE MINISTRY OF COMMERCE PUBLIC NOTICE NO. 131-JTC(PN)/90-93, dated 20-2-91

Licensing Conditions for import of Fertilizer (DAP), and services necessary for the transportation of the Fertilizer, agricultural machinery and equipment to ports in India from Japan under Japanese Grant Aid for 1990-91 of Yen six hundred million (Yen 600,000,000).

### Section I General Conditions

1 (i) The Japanese Grant Aid of Yen 600 million for 1990-91 is intended to be used for:—

- (1) Japanese Yen 55,376,000 is for import of Fertilizer (DAP)
- (2) Yen 44,624,000 is for import of 20 HP Tractors with spares.

1 (ii) The import licence should be issued for an aggregate amount not exceeding Yen 600 million (CIF) in favour of the importer, and should bear the superscription "Yen 600 million Japanese Grant Aid for 1990-91." The licence code for the first and second entry will be "S/JN". But no import licence is required for items covered under O.G.I.

1 (iii) No remittance of foreign exchange will be permitted against the import licence, except bank charges to the Bank of India, Tokyo which may be remitted through normal

banking channels, payment towards Indian Agent's Commission, if any, should be made in Indian rupees to the agents in India. Such payments, however, will form part of the licence value and will, therefore, be charged to the licence.

1 (iv) The fertilizer and agricultural machinery and equipment should be procured only from Japan under this Grant Aid.

1 (v) The import licences will be issued on CIF basis with validity upto 31-3-91.

1 (vi) The contract should provide for payment on cash basis i.e. on presentation of shipping documents by the Japanese suppliers to the Bank of India, Tokyo. It should also provide for the period of delivery as follows:—

"delivery to be completed by 15-3-91".

1 (vii) The contract value (FOB or C&F basis only) should be expressed in Yen (fraction of yen should be omitted) and should exclude Indian Agent's Commission, if any. In no circumstances the contract value should be expressed in any other currency. The FOB cost and freight amount should be shown separately but it should be clarified in the contract itself whether the freight will be payable on actual basis or whether the freight charges indicated therein would be the amount payable irrespective of the actual charges.

1 (viii) The purchase contract should be entered into only with the Japanese nationals or Japanese juridical persons controlled by Japanese nationals. A certificate (in duplicate) showing the eligibility of the supplier should be added to each contract.

Section II—The following provision should be specifically incorporated in the supply contract:—

II (i) The contract is arranged in accordance with the agreement dated the 4th October, 90 between the Governments of India and Japan concerning the Grant Aid of Yen 600 million for 1990-91 and will be subject to the approval of both the Governments.

II (ii) Payments to the suppliers shall be made through an "Authorisation to Pay" (A/P) which will be issued by the Controller of Aid Accounts and Audit, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, Janpath Bhavan Vth Floor, B-Wing Janpath, New Delhi-110001 in favour of the Bank of India, Tokyo under the Japanese Grant Aid for 1990-91.

II (iii) The Japanese suppliers agree to furnish such information and documents as may be required by the Government of India on the one hand and the Government of Japan on the other.

II (iv) The Japanese supplier agree to make shipping arrangements in consultation with the Embassy of India, Tokyo and that for this purpose he would keep the Embassy of India, Tokyo informed of the delivery schedule of the goods involved and notify the Embassy of India, at least six weeks in advance of the shipping required so that suitable arrangements should be made. In exceptional cases, where the importer require it this period of notice may be reduced. The Japanese supplier should also agree to send a cable advice to the importer after each shipment giving the necessary details and a copy thereof should be sent to the Embassy of India, Tokyo.

Section III—Contract Approval by Governments of India and Japan

III (i) As soon as the orders are finalised, the importer should forward to the Under Secretary (Jap), Department of Economic Affairs, Ministry of Finance North Block, New Delhi 6 copies of the contract duly signed by both parties or purchase orders by the Indian importer placed on the Japanese supplier supported by order of confirmation in writing from the Japanese supplier or their photo copies complete in all respects together with two copies of the "Request for

issue of A/P" in the form at Annexure I. The above procedure will also apply to all contract amendments causing essential modifications to the contents of contracts or in its price.

III (ii) The Ministry of Finance (DEA) Japan Section will arrange to send two copies of the contract to the Government of Japan for their approval for financing under the Japanese Grant Aid for 1990-91 of Yen 600 million, and one set of the documents mentioned in (i) above will also be sent to the CAA&A and the Embassy of India in Tokyo simultaneously.

III (iii) On receipt of the contract approval from the Government of Japan, the Japan Section of the Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, North Block will inform the Controller of Aid Accounts and Audit, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, Janpath Bhavan, 6th Floor, B-Wing Janpath, New Delhi-110001 or the same who will issue an 'Authorisation to Pay' (A/P) to the Bank of India, Tokyo in the form at Annexure II for making payment to the Japanese supplier. Copies of the A/P will be endorsed to the Embassy of India, Tokyo, the importer, importer's Bank in India and Japan Section, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance.

III (iv) On receipt of the Authorisation to Pay (A/P) the Bank of India, Tokyo will intimate the fact of this receipt to the Japanese supplier under intimation to the Government of Japan, Embassy of India, Tokyo, the importer's Bank in India and the CAA&A.

III (v) The Japanese supplier shall, after effecting shipment present through his bankers the documents specified in the A/P to the BOI Tokyo. If the documents are found to be in order, the Bank of India, Tokyo will release the amount specified in the documents to the Japanese supplier through his bankers.

III (vi) Banking charges payable to the Bank of India, Tokyo for arranging the payment to the Japanese supplier shall be settled by the concerned importer's bank in India by remittances to the BOI Tokyo through normal banking channel without affecting the Government of India's account.

#### Section IV—Responsibility for rupee deposit

IV (1) The Original negotiable shipping documents will be invariably forwarded by the Bank of India, Tokyo to the concerned importer's bank in India which would be a branch of the State Bank of India or any of the nationalised banks as mentioned in (O) in Annexure-I who should release these negotiable set of documents to the importer concerned only after ensuring that the rupee equivalent of the Yen Payments made to the Japanese supplier alongwith interest charges thereon calculated at the rate of 12% per annum for the first thirty days and at 18% for the period in excess thereof reckoned from the date of payment by the Bank of India, Tokyo to the Japanese supplier to the date of actual rupee deposit, is deposited into Government of India account in terms of the Public Notice No. 31-ITC(PN)/83 dated 10-8-83 and No. 35/ITC(PN)/83 dated 26-8-83. The interest is payable for both the days i.e. the day on which payment is made to the Japanese supplier and also the day on which rupee deposit is made into Government account vide Public Notice No. 74-ITC(PN)/74 dated 31-5-1974 as modified under Public Notice No. 103-ITC(PN)/76 dated 12-10-1976. In terms of Public Notice No. 1230-ITC(PN)/85—88 dated 20-7-87, the rupee deposits to be made by the importers is to be rounded off to the nearest rupee. The exchange rate to be adopted for computing the rupee equivalent of the Yen Payment will be the prevailing composite rate of exchange as laid down in CCI&E Public Notice No. 113-ITC(PN)/88—91 dated 6-4-89 or as may be notified by Government from time to time through Public Notices of the CCI&E or through Exchange control circulars of the Reserve Bank of India. Any change in this regard as also in regard to the rate of interest will be notified as and when necessary. It will be the responsibility of the Indian bank concerned to ensure that the amounts due are correctly deposited into Government Account before the import documents are handed over to the importers. The importer should also ensure that the amounts due are correctly deposited into Government account before taking delivery of the documents

from their bankers. It is the responsibility of the importers to ensure that the amounts due are correctly deposited into the Government account promptly even when they obtain delivery of the goods from the customs authorities without original shipping documents under exceptional circumstances. In case the importer fails to deposit the amounts due to Government before taking delivery of the goods, the issue of further "A/P" to him may be stopped. The Head of Account to which the above rupee deposits should be credited is "K-Deposits and Advance 8443-Civil Deposits, Deposits not bearing interest, Deposits for purchases etc., abroad-purchase under Grant Aid from the Government of Japan" for 1990-91 Grant for purchase of Fertilizer, agricultural machinery service by the MMTC and Dept. of Agriculture.

IV (ii) The amount referred to above should be deposited in cash to the credit of the Government either in the Reserve Bank of India, New Delhi indicating Code No. 513000009 on the right hand corner of the Challan or in the State Bank of India, Tis Hazari, Delhi, or if this is not possible, should be remitted by means of a demand draft obtained from any branch of the State Bank of India or its subsidiaries or any one of the Nationalised Banks (Drawer) drawn on and made payable to the State Bank of India, Tis Hazari Branch, Delhi-6 (drawee and payee) for credit to Government account as contemplated in Public Notice No. 103-ITC(PN)/76 dated 12-10-1976.

IV (iii) The concerned bank in India shall also furnish such additional deposit in the same manner stipulated above as may be requested by the Government of India on account of service charges within seven days after such a demand is made by the Government. While filling in the various columns in the Challan it should be ensured by the Importers/their bankers that the information prescribed in Public Notice No. 103-ITC(PN)/76 dated 12-10-1976 is invariably indicated in the column "full particulars of remittances and authority (if any)" of the challan. The following particulars should invariably be furnished in the Treasury Challans :—

- Ministry of Finance 'A/P' (Authorisation to Pay) No. and Date.
- Amount of Yen Currency in respect of which deposits are to be made together with rate of conversion adopted.
- Date of payment to the Japanese supplier.
- The amount of interest paid and the period for which it has been calculated.
- Total amount deposited.  
(Interest is to be calculated for the period from the date of payment to the Japanese supplier upto and inclusive of the date of deposit of rupee equivalents into Government Account).

Thereafter the Treasury Challans evidencing the rupee deposit should be sent by registered post to the CAA&A indicating reference to the A/P issued by him and also enclosing copies of invoice and shipping documents.

Note.—Importer's Bank in India should ensure that the rupee deposits are invariably made within 10 days of the receipt of the advice of payment and negotiable shipping documents from the Bank of India, Tokyo and that the CAA&A, Ministry of Finance (DFA), New Delhi is informed immediately thereafter.

IV (iv) The concerned bank in India should also endorse the amount of rupee deposits on the exchange control copy of the licence and send the requisite "S" Form to the Reserve Bank of India, Bombay.

#### Section V : Miscellaneous provisions

##### V (i) Reports on the utilisation of the Grant Aid

The importers should make separate arrangements to ascertain the amounts and dates of payments made to the supplier. Late or delayed receipt of shipping documents etc., by

the Importers Banker will not be acceptable as a reason for waiver of partial or full amount of the interest due on the rupee deposits.

The importer should send a monthly report after the A/P has been issued regarding shipments and payments made there-against and about the balance left, to the Controller of Aid Accounts and Audit, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, Janpath Bhavan, 5th Floor, (B Wing), Janpath, New Delhi-110001.

V(ii) The importer should apprise the supplier of any special provisions in the import of goods under this Grant Aid which may affect the suppliers in carrying out the transaction.

#### V(iii) Disputes

It should be understood that the Government of India will not undertake any responsibility for dispute, if any that may arise between the importer and the suppliers. The conditions to be fulfilled by the supplier before payment by the Bank of India, Tokyo must be clearly spelt out by the importer in Annexure-I under "Terms of Payment". Provision dealing with a settlement of disputes be included in the condition of contract.

#### V(iv) Future Instructions

The importer shall promptly comply with any directions instructions or orders issued by the Government of India from time to time regarding any and all matters arising from or pertaining to the imports and for meeting all obligations under the Grant Aid for 1990-91 from Japan.

#### (v) Breach or violation

Any breach or violation of conditions set forth in the above clauses will result in appropriate action under the Imports and Exports (Control) Act.

#### V(vi) List of Annexures :

Annexure I Request for issue of A/P.

Annexure II Form of A/P.

#### Annexure-I

#### REQUEST FOR ISSUE OF THE AUTHORISATION TO PAY.

To

The Controller of Aid Accounts & Audit,  
Ministry of Finance,  
Department of Economic Affairs,  
'B' Wing, 5th Floor,  
Janpath Bhavan, Janpath,  
New Delhi.

Subject:—Import of Fertilizer, agricultural machinery and services necessary for the transportation of the Fertilizer, agricultural machinery parts in India from Japan under the Japanese Grant Aid of Yen 600 million for 1990-91.

Sir,

In connection with the import of Fertilizer, agricultural machinery and services necessary for the transaction of the Equipment from Japan under the above mentioned Grant Aid, we furnish A/P to the Bank of India, Tokyo in favour of the Japanese supplier concerned :—

- Name and address of Indian importer.
- Number, Date and value of the import license and date upto which it is valid.
- Method of Procurement whether it is based on direct purchase or limited open tendering in which case it should be indicated whether the contract has been awarded on the basis of technically suitable offer with reasons, if any.

- Brief description of the goods.
- Origin of the goods.
- Gross C&F value of contract (in Yen).
- Amount of Indian agents commission (in Yen), if any, payable in Indian rupees.
- Net C&F value (in Yen) for which the A/P is required.
- Number and date of the contract with Japanese suppliers.
- Name and address of the Japanese supplier.
- Payments terms and probable dates on which payments under the contract will fall due.
- Expected date of completion of deliveries.
- Documents to be presented at the time of payment to Bank of India, Tokyo (indicating No. of sets of each and their disposal).
- Shipment instructions (indicate if transshipment/part shipment permitted or not permitted).
- Name and address of the Importer's bank in India.
- Who will bear the banking charges of the B.O.I., Tokyo—importer or supplier, please specify.
- Undertaking by the importer—whereby undertake to make full and correct deposit of the rupee equivalent etc., of the payment made to the foreign supplier in the manner and at the rate prescribed by Government. The deposits will be made promptly before taking delivery of each consignment of the goods (material imported). In case of payments for services of foreign nationals, the deposits will be made as soon as the relevant invoices of the foreign suppliers made as soon as the relevant invoices of the foreign suppliers are approved by us and the payments made to suppliers."

Yours faithfully,

#### ANNEXURE-II

Authorisation to pay No.

No. F.

MINISTRY OF FINANCE

Department of Economic Affairs

New Delhi, the

To,

The Bank of India,  
Tokyo Branch,  
Tokyo (Japan)

Subject.—Import of Fertilizer, Agricultural Machinery and services necessary for the transportation of the fertilizer, agricultural machinery to ports in India from Japan under Japanese Grant Aid of Yen 600 million for 1990-91 Issue of authorisation to pay

Dear Sirs,

In accordance with the terms and conditions of the agreement dated 4-10-1990 entered into with your Bank, you are hereby authorised to Pay an amount not exceeding Yen \_\_\_\_\_ to M/s. \_\_\_\_\_ as per details given in the appendix.

2. Please advise the Supplier of the fact of receipt of this Authorisation to Pay (A/P) and endorse a copy of this advice to the Government of Japan, Importers Bank, Embassy of India, Tokyo and this Ministry.



3. Payments to the suppliers in terms of the A/P may be made on the basis of shipping documents as indicated in the appendix.

4. On making payment to the foreign suppliers, you should sent to \_\_\_\_\_ (Name & address of Importers' Banker) the original shipping documents (negotiable as well as additional complete set of the documents and a copy the debit advice for the payments made to the supplier including the down payment if any).

5. Banking charges including charges for heading document and charges of Overseas Suppliers, Bankers if any, payable to you by the importer, will be settled directly by the importer's bank.

6. As and when any payment is made by you on the basis of shipping documents presented by the Japanese supplier, an advice in the prescribed form should be sent to this Ministry and the importers' bank.

7. No. amendment to this A/P may be advised in the absence of a specific authority from this Ministry.

8. This A/P will remain valid upto \_\_\_\_\_

9. Please quote the number given at the top of this authorisation to pay in all correspondence relating to the contract and also in the advices showing payment.

Yours faithfully,  
Accounts Officer.

Copy forwarded to—

1. Importer \_\_\_\_\_ with reference to their Letter No. \_\_\_\_\_ dated \_\_\_\_\_. They are requested to arrange to deposit through their Bankers, the rupee deposits etc. at the prescribed rate and manner, before taking delivery of the negotiable documents from the Bankers. In case due to exceptional circumstances delivery of goods is obtained directly from the Customs and Port authorities without furnishing the original shipping documents, the deposits should be made before taking the delivery. In the case of payments for services rendered by foreign Nationals, the deposits should be made as soon as the relevant invoices are approved for payment. Failure to make the deposits promptly and correctly may entail action as mentioned in the licensing conditions.

2. Importers' Banker \_\_\_\_\_.

(i) This Authorisation to pay is issued under the relevant Licensing conditions governing the imports under Yen grants. The licensing conditions and connected public Notices/order etc. may be referred to and appropriate action taken concerning the import/forcing payments.

(ii) They are requested to arrange to deposit the rupee equivalent of the Yen payment to the Japanese suppliers on receipt of the documents from the Bank of India, Tokyo Branch. The rupee equivalent of amount disbursed to the suppliers will have to be calculated by applying the composite rate of conversion as prevailing on the date of payment to Japanese suppliers in accordance with the Public Notice No. 113-ITC(PN)/88, dated 6-4-89 or such other Public Notices as may be issued from time to time. Interest @ 12 per cent per annum for the first thirty days and at the rate of 18 per cent per annum for the period excess thereof

reckoned for the period between the date of payment to the supplier and the date on which the rupee equivalents are deposited into the Government account, is required to be deposited into the Government of India's account in terms of Public Notices No. 31-ITC(PN)/83 dated 10-8-1983 and No. 35-ITC(PN)/83 dated 26-8-83. The interest is payable for both the days i.e. the day on which payment is made to the Japanese supplier and also the date on which rupee deposit is made into the Government account (any change in this rate will be notified if and when made). In terms of Public Notice No. 230-ITC(PN)/85-88 dt. 20-7-87 the rupee deposits to be made by the importers is to be rounded off to the nearest rupee. It should be ensured that these deposits are made before the original set of import negotiable documents are handed over to the importer for Customs Clearance.

(iii) These amounts should be deposited either with RBI, New Delhi indicating Code No. 5130000009 on the right hand corner of the Challan or in the S.B.I., Tis Hazari, Delhi or remitted by means of Demand draft obtained by them from any Branch of the S.B.I. or its subsidiaries or any one of the Nationalised Banks (Drawer) drawn on and made payable to the S.B.I., Tis Hazari, Delhi-6 (Drawee and Payee). In this connection their attention is also invited to the provisions of the Public Notice No. 103-ITC(PN)/76 dated 12-10-1976, the head of account to be credited is 'K-Deposits & Advances-8443-CIVIL Deposits—Deposit not bearing interest Deposit for purchases etc. abroad—purchases under Grant Aid from Govt. of Japan' for 1990-91 under detailed head "Yen 600 million grant aid for purchases of fertilizer, agricultural machinery/services by the MMTC".

(iv) One copy of the Challan in original, in cases where the rupee equivalents are credited in cash at the RBI, New Delhi or the SBI, Tis Hazari, Delhi as prescribed in Public Notice No. 132-ITC(PN)/71 dated 5-10-1971 should be sent by them to the address given below alongwith a forwarding letter giving full details of the advice notes received from the Bank of India, Tokyo Branch.

The Controller of Aid Accounts & Audit, Ministry of Finance (Department of Economic Affairs), Janpath Bhavan Vth Floor, (B Wing), Janpath, New Delhi-110001.

(v) In cases where the rupee equivalents are remitted by means of demand drafts as laid down in the Public Notice dated 24-10-1968 mentioned above, intimations thereof should be sent to the address given above. In all cases, full particulars of the rupee equivalents deposited alongwith the amount of interest paid and the period for which interest has been calculated should be furnished to this Department.

(vi) The banking charges of the Bank of India, Tokyo Branch, including charges of the overseas suppliers bankers, if any, should be settled directly between the Indian Bank and the B.O.I., Tokyo.

(vii) The Bank's duties and responsibilities as authorised Dealer in foreign exchange are prescribed in various AD Circulars of the R.B.I. specific reference in this regard is invited to A.D. Circular No. 22 dated 18-6-1977.

3. Embassy of India, Tokyo.

4. The Under Secretary (Japan Section), Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, New Delhi with reference to I. D. No. \_\_\_\_\_ dated \_\_\_\_\_, ( )

Accounts Officer,

